पाठ 5. गजनंदन लाल पहाड़ चढ़े

पाठ का उद्देश्य

प्रस्तुत पाठ का उद्देश्य बच्चों को सकारात्मक सोच अपनाने की सीख देना तथा हँसी का महत्त्व समझाना है। हँसना स्वास्थ्य के लिए लाभकारी है। इसके अलावा हमें दूसरों की मुश्किल घड़ी में सहायता करनी चाहिए।

पाठ का सारांश

गजनंदन सोलह वर्ष का लड़का है। वह बहुत मोटा है। एक दिन उसे पता चलता है कि उसके स्कूल से लड़कों की एक टोली गोमुख की सैर के लिए जा रही है। वह प्रिंसिपल के पास जाता है और गोमुख जाने के लिए कहता है। उसके मोटापे की वजह से प्रिंसिपल उसे मना कर देते हैं। परंतु गजनंदन अपने मोटापे के फायदे बताकर प्रिंसिपल को राजी कर लेता है। इस प्रकार गजनंदन की पहाड़ पर चढ़ने की कहानी शुरू होती है। उनके साथ स्वामी जी और मास्टर जी गए। रास्ते में प्रकृति की सुंदरता देखकर बच्चे मंत्र-मुग्ध हो रहे थे। गजनंदन हँसी की फुलझड़ी छोड़ते जा रहा था। सभी मस्ती-मज़ाक करते हुए जा रहे थे। रास्ते में एक झील थी। वह बर्फ़ से ढकी थी। लड़कों ने झील की बर्फ़ पर होकर चलने के बारे में सोचा। कहीं-कहीं बर्फ़ कच्ची होती है। अचानक भोलाशंकर के पैरो के नीचे से बर्फ़ फट गई और वह नीचे झील में चला गया। गजनंदन ने रस्सी का एक छोर अपनी कमर में लपेटा और दूसरा छोर भोलाशंकर की ओर फेंक दिया। गजनंदन ने उसे खींच कर झील से बाहर निकाला। उसने अपना चमड़े का कोट उतारकर भोलाशंकर को दे दिया। स्वामी जी ने उन्हें गरम चाय दी। गजनंदन ने गोमुख से डाक बंगले में मास्टर जी तक देसी टेलीफ़ोन से संदेश भेजा। मैं गजनंदन हाथी का बच्चा, गोमुख से बोल रहा हूँ। हम आज नहीं आएँगे।

अध्यापन संकेत

पठन-पूर्व चर्चा के अंतर्गत दिए गए प्रश्न बच्चों से पूछें। उनसे पाठ का एक-एक अनुच्छेद पढ़ने को कहें। उनके उच्चारण पर विशेष ध्यान दें। पाठ में महत्त्वपूर्ण अंशों पर ध्यान केंद्रित करें। कठिन शब्दों के अर्थ बताएँ।

पाठ से संबंधित कुछ विशेष बातों पर बच्चों से विचार-विमर्श करें–

- ‘हँसी’ स्वास्थ्य के लिए लाभकारी है।–इस वाक्य पर कक्षा में चर्चा करें।
- बच्चों से कुछ हास्य कलाकारों के नाम पूछें।
- बच्चों को दूसरों की मदद करने के लिए प्रेरित करें।
- उन्हें, पवित्र स्थलों गंगोत्री और यमनोत्री के बारे में जानकारी दें।

डिजिटल (Digital) के माध्यम से पाठ की ई-बुक विद्यार्थियों को दिखाकर पाठ के प्रत्येक अंग का स्पष्टीकरण कीजिए। गतिविधियों की दुनिया से परिचय भी कराइए।